Nai Dunia (Indore), 28th July 2023, Nai Dunia City, Page-01

आइआइटी की नई लैब में नए आइडिया को मिलेगा खुला आकाश

नई शिक्षा नीति के तहत मेकर स्पेस लैब में नवाचार को आकार दें सकेंगे विद्यार्थी, संस्थान में स्नातक विद्यार्थियों के लिए शुरू किए गए दो नए प्रोग्राम

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों के लिए कई नवाचार किए जा रहे हैं। संस्थान में नए कोर्स, क्रेडिट बैंक और ट्रेनिंग प्रोग्राम जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। नए प्रोग्राम के जरिए स्नातक के विद्यार्थियों को पहले सेमेस्टर से ही काफी कुछ सीखने को मिलेगा। उन्हें कौशल बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी।

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने बताया कि आइआइटी इंदौर में स्नातक के विद्यार्थियों के लिए इमर्शन प्रोग्राम और डिजाइन थिंकिंग, दो नए कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। ये सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य रहेंगे। इमर्शन प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों को ग्रामीण, इंडस्ट्रियल और डिफेंस लाइब्रेरी में जाकर, वहां की समस्याओं का पता लगाकर डाक्यूमेंट तैयार करने होंगे। इसके बाद डिजाइन थिंकिंग प्रोग्राम के तहत द्वितीय व तृतीय सेमेस्टर में उस समस्या का हल निकालना होगा और उसके लिए प्रोडक्ट डिजाइन करना होगा। इसी क्रम में उन्हें 7वें सेमेस्टर में इस प्रोजेक्ट पर पूरी तरह कार्य करने का मौका दिया जाएगा। विद्यार्थियों के प्रोडक्ट तैयार करने के लिए संस्थान में मेकर स्पेस लैब तैयार की गई है। यह एक टेबल टाप फैक्ट्री है, जिससे विद्यार्थी प्रोडक्ट तैयार कर सकेंगे। इसमें लकड़ी, मैटल, प्लास्टिक जैसे धातुओं की कटिंग से लेकर थ्रीडी प्रिंटिंग तक करने वाली मशीनें उपलब्ध हैं। यह लैब सात करोड़ की लागत से तैयार की गई है।

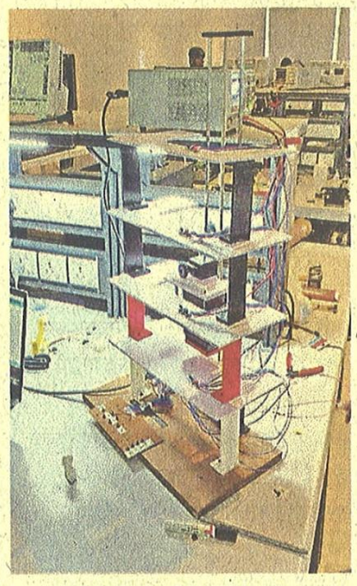

आइआइटी में तैयार बनी मेकर स्पेस लैब।

क्रेडिट बैंक की शुरुआत

आइआइटी इंदौर में नए सत्र से नई शिक्षा नीति के तहत छात्रों के लिए अकादमिक क्रेडिट बैंक शुरू की जाएगी। इसमें विद्यार्थी अपना क्रेडिट खाता खोल सकेंगे। इंटर्नशिप और फील्ड विजिट जैसी गतिविधियों से क्रेडिट अर्जित कर इस खाते में जमा कर सकेंगे। इन क्रेडिट को विद्यार्थी किसी भी सेमेस्टर में क्रेडिट कम पड़ने पर नियमों के तहत उपयोग कर सकेंगे। फिलहाल यह सुविधा आइआइटी में शुरू की जा रही है। आगामी दिनों में दूसरी संस्थाओं से किए हुए कोर्स के लिए भी इसे मान्य किया जाएगा।

विद्यार्थियों के लिए जेनेसिस ओरिएंटेशन प्रोग्राम

आइआइटी इंदौर में विद्यार्थियों के लिए एक सप्ताह का जेनेसिस ओरिएंटेशन प्रोग्राम शुरू किया गया था। इसके तहत विद्यार्थियों को आइआइटी के वातावरण में ढलने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया जाता है। दरअसल अलग-अलग शहरों से विद्यार्थी पढ़ने के लिए आते हैं। ऐसे में कई विद्यार्थियों को घर का मोह रहता है और वह खुद को कालेज के माहौल में ढाल नहीं पाते हैं। इस प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों के खानपान और मनोवैज्ञानिक चिंताओं से निपटने के लिए सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्हें भावनात्मक तौर-तरीकों से भी तैयार किया जाएगा।

राज्य में तकनीकी शिक्षा बढ़ाने के प्रयास

आइआइटी इंदौर राज्य में तकनीकी शिक्षा कीं गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसके तहत आइआइटी के कई नई पहल की हैं। इसमें मध्य प्रदेश सरकारी इंजीनियरिंग कालेजों के स्नातक के छात्रों के लिए आइआइटी इंदौर में एक साल के लिए इन-बाउंड छात्र प्रोग्राम शुरू किया गया है। साथ ही इन कालेजों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए एक से तीन महीने तक मेंटरिंग और इंटर्नशिप की सुविधा भी दी जाएगी। इसके अलावा कालेजों के शिक्षकों के लिए पार्ट टाइम पीएचडी प्रोग्राम भी चलाया जा रहा है।